सूर्यास्त 06:48 | सूर्योदय 06:04
तापमान
अधिकतम 34° | न्यूनतम 20°

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

वर्षः 07 | अंकः 06 | पृष्ठः 04 | मूल्यः ₹1.00

info@hindustanekta.com
कैथल, शनिवार 11 अप्रैल, 2026
RNI-HRHIN/26/A1127

आपकी आवाज हमारी ताकत

आप कोई सामाजिक, धार्मिक आयोजन, प्रेस कॉन्फ्रेंस या किसी संस्था से जुड़ी कोई खबर, खुला नाला है, पानी से भरा गड्ढा है, रोड टूटी या गड्ढे हैं, हादसे का खतरा है इत्यादि खबरें हमारे साथ साझा करना चाहते हैं तो अब दूर नहीं। आपको केवल खबर और खबर से जुड़े चुनिंदा दो फोटो कैप्शन के साथ भेजना होगा। आपकी खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ऐसे भेजे
वॉट्सएप कर सकते हैं
9499422208
हमें QR स्कैन कर वेबसाइट पर भी भेज सकते हैं

सावधान! अब आरटीओ चालान के नाम पर ठग रहे जालसाज

» व्हाट्सऐप पर फर्जी चालान भेजकर जालसाज बना रहे शिकार, एसपी ने जारी की चेतावनी

कलासो देवी » कैथल

एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने आमजन को साइबर अपराध से सतर्क करते हुए बताया कि ठगों ने अब ठगी का नया तरीका अपनाया है। जालसाज खुद को आरटीओ अधिकारी बताकर लोगों को व्हाट्सऐप पर ट्रैफिक चालान के नाम पर एपीके फाइल भेज रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जैसे ही कोई व्यक्ति इस फाइल को डाउनलोड कर ओपन करता है, उसका मोबाइल हैक हो जाता है। इसके बाद ठग बैंकिंग डिटेल्स, ओटीपी और निजी जानकारी तक पहुंच बनाकर आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं। इतना ही नहीं, ठग व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर उसी फाइल को अन्य ग्रुप्स में भी भेज देते हैं, जिससे ठगी का दायरा बढ़ जाता है। एसपी ने कहा कि पुलिस ऐसे मामलों पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आमजन की सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे केवल आधिकारिक पोर्टल या अधिकृत ऐप्स के माध्यम से ही चालान की जानकारी प्राप्त करें।

फ्रॉड से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान...

- अनजान लिंक या एपीके फाइल डाउनलोड न करें
- सोशल मीडिया पर आए चालान मैसेज पर भरोसा न करें
- चालान केवल सरकारी पोर्टल या अधिकृत ऐप पर ही देखें

अगर गलती से फाइल डाउनलोड हो जाए...

- तुरंत मोबाइल का इंटरनेट बंद करें
- संदिग्ध ऐप को खोजकर डिलीट करें
- साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत करें

मरने वालों में 7 एक ही परिवार के; लाइफ जैकेट भी नहीं पहनी हुई थी

वृंदावन में यमुना में नाव पलटी: 10 लोगों की मौत, 5 लापता

एजेंसी » मथुरा

वृंदावन में यमुना नदी पर श्रद्धालुओं से भरी प्राइवेट नाव पलटने से बड़ा हादसा हो गया। 37 लोगों में से 10 की डूबने से मौत हो गई, जबकि 5 लोग अभी भी लापता हैं। मृतकों में एक ही परिवार के 7 सदस्य शामिल हैं। केसी घाट के पास दोपहर करीब 3 बजे हुए हादसे में सभी श्रद्धालु पंजाब से घूमने आए थे। चंद्र प्रकाश सिंह (डीएम) के अनुसार, आर्मी और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) रेस्क्यू में जुटी है और नाव को 10 घंटे बाद बाहर निकाला गया। प्राथमिक जांच में सामने आया कि नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे और किसी को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। पुलिस ने आरोपी नाविक पप्पू निषाद को 6 घंटे बाद हिरासत में ले लिया है।

» न्यूज ब्रीफ

11 साल बाद जेल से बाहर आया रामपाल, आश्रम में हुआ स्वागत

चंडीगढ़ » हिसार स्थित सतलोक आश्रम प्रकरण में उम्रकैद की सजा काट रहा रामपाल शुक्रवार को 11 साल 4 महीने 24 दिन बाद सेंट्रल जेल-2 से बाहर आ गया। जेल गेट से वह मुस्कुराते हुए निकला और परिवार के साथ सफेद फॉर्च्यूनर में रवाना हुआ। करीब 20 गाड़ियों के काफिले के साथ वह सोनीपत जिले के धनाना स्थित सतलोक आश्रम पहुंचा, जहां समर्थकों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। आश्रम के अंदर जैसे ही रामपाल ने संबोधन शुरू किया तो कुछ महिला भक्त रोने लग गईं। 8 अप्रैल को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल की जमानत मंजूर की थी। आज सुबह ही कोर्ट के आदेश पर रामपाल के वकीलों ने हत्या के दो मामलों में 5-5 लाख के बेल बॉन्ड जमा करवाए।

आईपीएल डबल हेडर: पंजाब बनाम हैदराबाद आज भिड़ंत

चंडीगढ़ » आईपीएल 2026 में आज डबल हेडर के तहत पहला मुकाबला पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। मैच दोपहर 3:30 बजे महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम मुल्लांपुर(चंडीगढ़) में होगा। पंजाब की टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय है, 3 में से 2 मैच जीतकर और एक रद्द होने के साथ 5 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। वहीं हैदराबाद की टीम 3 में से सिर्फ 1 मैच जीतकर 2 अंकों के साथ छठे स्थान पर है।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज

प्रगणक और पर्यवेक्षकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

कलासो देवी » कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत जिले में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नियुक्त प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को आधुनिक तकनीक के अनुरूप मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा दर्ज करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इसके लिए विशेष मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग किया जाएगा, जिसमें सभी आंकड़े सीधे दर्ज किए जाएंगे, जिससे कार्य में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित होगी। डीसी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित कर्मचारी प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और समय पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि जनगणना कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो सके।

जिले में 2400 कर्मियों को सिखाई जा रही डेटा एंट्री

जिला जनगणना समन्वयक अधिकारी ज्योति राणा ने बताया कि जिले में करीब 2400 प्रगणक और पर्यवेक्षक इस कार्य में लगाए गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मोबाइल ऐप के उपयोग, डेटा एंट्री प्रक्रिया और फील्ड में आने वाली समस्याओं के समाधान की जानकारी दी जा रही है। जिले में प्रशिक्षण के लिए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैथल, डीएवी कॉलेज चीका, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुहला और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पूंडरी को केंद्र बनाया गया है

फसल विविधीकरण योजना: 15 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए नई योजना शुरू की है। इसके तहत धान से पहले ढैंचा या दलहनी फसलें उगाने वाले किसानों को 1000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

कृषि उपनिदेशक डॉ. रविन्द्र सिंह ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर 15 अप्रैल तक पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के बाद 16 अप्रैल से 15 मई तक फसलों का सत्यापन होगा और पात्र किसानों को राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे खाते में भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना: बुजुर्गों को कराई जाएगी श्री हजूर साहिब की निःशुल्क यात्रा

» 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष ट्रेन होगी रवाना, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिखाएंगे हरी झंडी

कलासो देवी » कैथल

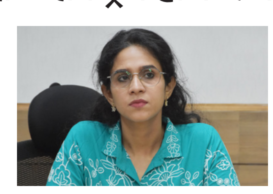

हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ (महाराष्ट्र) के दर्शन करवाए जाएंगे।

डीसी अपराजिता ने जानकारी देते हुए बताया कि 5 मई को कुरुक्षेत्र से एक विशेष ट्रेन रवाना की जाएगी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को पूरी तरह निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाएगी, जिसमें रहने, खाने और अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं। इच्छुक श्रद्धालु 15 अप्रैल तक सरल हरियाणा पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया "पहले आओ, पहले पाओ" के आधार पर की जाएगी, इसलिए पात्र व्यक्ति समय रहते आवेदन करें। डीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि पंजीकरण के बाद सभी लाभार्थियों को 16 अप्रैल से पहले लघु सचिवालय स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अपनी जानकारी देना अनिवार्य होगा, ताकि यात्रा की व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें।

उन्होंने जिले के बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पवित्र धाम के दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें।

15 अप्रैल तक सरल हरियाणा पोर्टल पर करें पंजीकरण, "पहले आओ-पहले पाओ" आधार पर चयन

पात्रता शर्तें

- आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक हो
- परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम (PPP के अनुसार)
- आवेदक हरियाणा का निवासी हो
- एक व्यक्ति 3 साल में केवल एक बार ही योजना का लाभ ले सकता है

आवश्यक दस्तावेज

- वैध फोटो पहचान पत्र (आधार/पैन/सरकारी आईडी)
- परिवार पहचान पत्र (PPP)
- शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा
- पिछले 3 वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा

शिकायत निपटान में अव्वल रहने के लिए अधिकारी सतर्कता से करें कार्य: डीसी

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

डीसी अपराजिता ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैथल जिला समाधान शिविरों में शिकायत निपटान के मामले में प्रदेश में अव्वल है और इस स्थान को बनाए रखने के लिए अधिकारी पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को लंबित न रखा जाए और समय रहते उनका निवारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि यह पहल आमजन के लिए सार्थक बनी रहे। जिले में अब तक कुल 5642 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 5087 का समाधान किया जा चुका है। बैठक से पहले अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्वा सिंह ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी उपायुक्तों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि यदि किसी शिकायत के समाधान में बाधा आती है, तो उसे तुरंत उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने, गुणवत्तापूर्ण एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) अपलोड करने और शिकायतकर्ताओं से अच्छा व्यवहार करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीसी ने सीवरेज, पानी, राजस्व व बस स्टॉप से जुड़ी शिकायतें मौके पर सुनकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देना ही हमारा लक्ष्य, हर घर तक पहुंचे इसका लाभ

पूंडरी » हरियाणा सरकार की सोलर योजना के तहत पूंडरी क्षेत्र में पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर विधायक सतपाल जांबा ने लाभार्थियों को चेक सौंपकर सोलर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और योजना के प्रति उत्साह जताया। विधायक ने कहा कि सोलर ऊर्जा पर्यावरण के लिए लाभकारी होने के साथ बिजली खर्च भी कम करती है। उन्होंने बताया कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार स्वच्छ व सस्ती ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने लोगों से योजना का अधिक लाभ उठाने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। लाभार्थियों ने सरकार का आभार जताते हुए कहा कि इस सहायता से वे अब सोलर ऊर्जा का उपयोग कर सकेंगे।

चेतावनी » जिले में 11 हजार से अधिक घरों तक पहुंची पाइप्ड गैस सुविधा...

जिनके पास पीएनजी कनेक्शन, वे 3 माह के भीतर सरेंडर करें अपना एलपीजी कनेक्शन

कलासो देवी » कैथल

जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक वरिंद्र सिंह ने बताया कि जिले में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा अब तक 11,160 उपभोक्ताओं को पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन उपलब्ध करवाए जा चुके हैं और उन्हें नियमित गैस आपूर्ति मिल रही है।

उन्होंने कहा कि पीएनजी गैस एलपीजी के मुकाबले सस्ती, सुरक्षित और उपयोग में आसान है। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं ने पीएनजी कनेक्शन ले लिया है, वे जनहित में तीन माह के भीतर अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करें। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में एलपीजी कनेक्शन सरेंडर नहीं करने पर उसकी सप्लाई स्थायी रूप से बंद कर दी जाएगी। इसके साथ ही जिले में गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी और अनधिकृत उपयोग को रोकने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन क्षेत्रों में अभी पाइपलाइन उपलब्ध नहीं है, वहां के लोग अग्रिम आवेदन कर सकते हैं और पाइपलाइन शुरू होने पर प्राथमिकता के आधार पर कनेक्शन दिया जाएगा।

उपभोक्ताओं के लिए जरूरी जानकारी

- पीएनजी कनेक्शन लेने के बाद 3 माह में एलपीजी सरेंडर अनिवार्य
- समय सीमा के बाद एलपीजी सप्लाई स्थायी रूप से बंद
- पीएनजी गैस सस्ती, सुरक्षित और आसान
- उपयोग के बाद भुगतान की सुविधा उपलब्ध

सहायता के लिए संपर्क करें

- **कस्टमर केयर:** 011-69020500, 011-69020400
- **टोल फ्री नंबर:** 1800111817
- **कंट्रोल रूम:** 74283-48899, 74283-47799

भिवानी के स्काउट्स का कैथल में स्वागत, डीसी और एसपी ने प्रशंसा पत्र देकर किया सम्मानित

कलासो देवी » कैथल

नशामुक्त हरियाणा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, जिला भिवानी की जागरूकता रैली कैथल पहुंची, जहां डीसी अपराजिता और एसपी मनप्रीत सिंह ने टीम को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

यह रैली नायब सिंह सैनी के नशामुक्त प्रदेश के विजन को साकार करने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। 17 मार्च 2026 को शुरू हुई यह मुहिम स्वच्छ, स्वस्थ, शिक्षित और विकसित हरियाणा का संदेश पूरे प्रदेश में फैला रही है।

ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह व टीम के मार्गदर्शन में स्काउट्स सदस्य पूरे उत्साह के साथ अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं।

सुविचार

"सपनों की उड़ान वही भरते हैं,
अकेले पंख हौसलों से बनते हैं"

संपादकीय

सुविधाएं बढ़ीं, संवेदनाएं घटीं: समाज किस दिशा में?

आधुनिक दौर में इंसान ने अभूतपूर्व प्रगति की है। तकनीक ने जीवन को इतना सरल बना दिया है कि आज हर सुविधा हमारी उंगलियों पर उपलब्ध है। घर बैठे खाना मंगवाना हो, दुनिया के किसी भी कोने से बातचीत करनी हो या फिर सेकंडों में जानकारी प्राप्त करनी हो—सब कुछ संभव है। लेकिन इस तेज रफ्तार विकास के बीच एक सवाल बार-बार उठता है—क्या सुविधाओं की इस चमक में हमारी संवेदनाएं कहीं खोती जा रही हैं?

आज समाज में भौतिक संसाधनों की कोई कमी नहीं है, लेकिन मानवीय रिश्तों में दूरी साफ नजर आती है। परिवार के सदस्य एक ही छत के नीचे रहते हुए भी मोबाइल की दुनिया में खोए रहते हैं। पहले जहां लोग एक-दूसरे के दुख-दर्द में शामिल होते थे, अब वहां औपचारिकता और व्यस्तता हावी होती जा रही है। पड़ोसी का हाल जानना, बुजुर्गों के साथ समय बिताना या जरूरतमंद की मदद करना—ये सब धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

सोशल मीडिया ने जहां लोगों को जोड़ने का काम किया, वहीं यह दूरी बढ़ाने का माध्यम भी बन गया है। आभासी दुनिया में लाइक्स और कमेंट्स की संख्या से रिश्तों की गहराई मापी जाने लगी है। असली भावनाएं अब स्क्रीन के पीछे छिपती जा रही हैं। किसी की परेशानी को समझने और उसके साथ खड़े होने की बजाय हम उसे केवल एक पोस्ट या स्टेटस तक सीमित कर देते हैं।

इसके पीछे केवल तकनीक ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि बदलती जीवनशैली भी एक बड़ा कारण है। प्रतिस्पर्धा और भागदौड़ भरी जिंदगी में इंसान इतना व्यस्त हो गया है कि उसके पास खुद के लिए समय नहीं है, तो दूसरों के लिए कहां से होगा। सफलता की दौड़ में हम मानवीय मूल्यों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं।

हालांकि, यह कहना भी गलत होगा कि संवेदनाएं पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। आज भी कई लोग और संस्थाएं समाज सेवा में लगे हैं, जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं और मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। लेकिन ऐसे उदाहरण अपवाद बनते जा रहे हैं, जबकि उन्हें सामान्य होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सुविधाओं के साथ-साथ संवेदनाओं को भी महत्व दें। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें। परिवार और समाज के साथ समय बिताएं, रिश्तों को समझें और उन्हें मजबूत बनाएं। बच्चों को केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार और सहानुभूति भी सिखाएं।

अंततः, किसी भी समाज की पहचान उसकी प्रगति से नहीं, बल्कि उसके मानवीय मूल्यों से होती है। यदि सुविधाएं बढ़ती रहें और संवेदनाएं घटती जाएं, तो यह विकास अधूरा है। समय रहते हमें संतुलन बनाना होगा, ताकि हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर सकें, जहां प्रगति के साथ-साथ इंसानियत भी जिंदा रहे।

ये दुनिया के बदलते रिश्ते...

आर.जे.रेखा
क्रिस्टल वॉयस
आकाशवाणी एफएम
गोल्ड 100.1

लोग कहते हैं आगे बढ़ो पीछे मुड़कर मत देखो। विकास करना है तो निरंतर आगे बढ़ना होगा। पर कभी-कभी चलते चलते जब एक झलक पीछे मुड़कर देखें तो ऐसा लगता है कि सचमुच हमने बहुत प्रगति की है। कहाँ से कहाँ आ गए हम हैना? मोहल्ले भर में सिर्फ़ एक टीवी और उसके सामने बैठा पूरा मोहल्ला। वो दिन अब कहाँ रहे। आज तो पूरी दुनिया हमारी मुट्ठी में है। अब तो हर शख्स की अपनी दुनिया है, हर किसी के हाथ में एक अलग मोबाइल जिस पर एक पल में हम जहाँ चाहें वहां पहुँच जाएँ।

पर कभी-कभी लगता है कि एक कमरे में बैठे चार लोग पास होते हुए भी कितने दूर हैं। जहाँ एक तरफ़ हमारी दुनिया इतनी बड़ी हो गई है कि हम हज़ारों, लाखों लोगों से खुद को पल में जुड़ा हुआ पाते हैं, वहीं हमारे पास बैठे लोग हमें दिखाई भी नहीं देते।

जहाँ हर घर में एक लोहे के तार में पिरोयी सैंकड़ों चिट्ठियाँ हर दिन हमारे कमरे को यादों से भर दिया करती थी, वहीं अब मोबाइल पर एक बटन दबाते ही जितनी आसानी से दिल की बात दूसरे तक पहुंचती है उतनी ही आसानी से पलक झपकते ही चैट क्लियर भी हो जाती है।

अब कहाँ हम चिट्ठियों को बार-बार पढ़कर दिल बहलाते हैं। अब तो दिल बहलाने के कई और साधन बस एक बटन दबाते ही पा जाते हैं।

जितनी तेज़ी से बात दिल की कहने के तरीके बदले, उतनी ही तेज़ी सी रिश्तों के मायने और भावनाएं भी बदलती गई। जहाँ रिश्तों को हम अलग-अलग सम्बोधनों से नवाज़ते थे, अब सब रिश्तों ने अंकल-आंटी का लिबास पहन लिया। याद है बड़ी भाभी माँ समान हुआ करती थी और बड़ा भाई पिता समान। गाँव का हर बुज़ुर्ग दादा-दादी, नाना- नानी। माँ और पिता के हम उम्र सब चाचा- चाची, मामा- मामी ,गाँव की हर लड़की बहन, बुआ, मौसी या बेटी होती थी। गाँव का हर लड़का भाई या बेटा। एक बड़ा कुनबा जहाँ हर रिश्ते की अपनी मर्यादा, और अहमियत। घर के बुज़ुर्ग घर में पाँव रखने से पहले बिना ज़ोर से आवाज़ लगाए घर के भीतर तक नहीं आते थे ताकि घर की महिलाओं को पता चल जाए। आज हमने अपने ड्रॉइंग रूम तो बहुत सुन्दर सजा लिए लेकिन वहाँ प्यार और सम्मान न जाने कहां खो से गए हैं।

पहले घर कच्चे हुआ करते थे, पर रिश्ते पक्के। मगर आज घर पक्के लेकिन रिश्ते कहीं कच्चे होते जा रहे हैं। और इसमें बहुत बड़ा हाथ हमारे माहौल का है। आज हम जिन फिल्मों, धारावाहिकों, विज्ञापनों सोशल मीडिया पर उपलब्ध मसालेदार वीडियो आदि को देखकर उनमे कहीं डूबते चले जा रहे हैं, उनका एक बहुत गहरा असर हमारे मस्तिष्क ही नहीं, हमारी सोच पर भी हुआ है। आज के युवा ही नहीं, गोद में खेलते बच्चे भी इसके असर से अछूते नहीं हैं।

इसके सबसे बड़े ज़िम्मेदार हम ख़ुद हैं। जहाँ मनोरंजन के लिए इस सामग्री का निर्माण करने वाले इसमें अश्लीलता और फूहड़पन का तड़का लगाने से नहीं चूकते, वहीं हम अपने बच्चों को खुले आम ये सामग्री उपलब्ध कराने से नहीं चूकते। सोशल मीडिया पर दिन भर बच्चों को क्या परोसा जा रहा है। इस पर निगरानी रखना एक बहुत बड़ी ज़रूरत बन गया है। माता-पिता व्यस्तता के चलते अक़्सर ये ध्यान देना भूल जाते हैं, या इस बात को हल्के में ले लेते हैं।

आज हर दिन ऐसी घटनाएँ पढ़ने, सुनने-देखने को मिल जाती हैं जहाँ हमारा पूरा समाज शर्मसार हो जाता है। रिश्तों के मायने बदल चुके हैं। अब भाभी माँ की नज़र से नहीं माल की नज़र से देखी जाती है। लड़कियों को अब बहन कहना जैसे उनकी सुंदरता का अपमान करने जैसा लगने लगा है। छोटे-छोटे बच्चे उम्र से पहले जवान हो रहे हैं और कई लोगों को बुज़ुर्ग कहलाना तो सबसे बड़ी गाली लगने लगा है।

सबसे शर्मनाक ख़बरें तो आज, ख़बरों की सुर्खियां बन रही हैं। कुछेक घटनाएं तो पूरे समाज के लिए तमाचा बन गईं।

तार तार हुए रिश्ते, बेटी की शादी से पहले सास दामाद संग फ़रार।
प्रेमी संग मिलकर चार बच्चों की माँ, पत्नी ने की पति की हत्या।
पिता ने ही किया अपनी बेटी से दुष्कर्म।
भाई ने ही किया बहन की इज्जत को तार तार

जिन ख़बरों को पढ़ना, लिखना, चर्चा मात्र भी शर्मसार करती हैं वो घटनाएं आज हमारे समाज में आए दिन घटित होती हैं। क्या कभी हमने सोचा है कि आज समाज किस तरफ जा रहा है? क्यों स्थिति इतनी भयावह हो गई है? पढ़े लिखे समाज में आज रिश्तों की मर्यादा कहाँ जा रही है? क्यों अब हम रिश्तों का सम्मान करना भूल रहे हैं ? क्यों रिश्ते महज़ कुछ पल के मनोरंजन का सामान बनते जा रहे हैं ? वो जनम-जनम तक साथ रहने के वादे अब क्यों बिखर से गए हैं ?

शायद ! ...शायद नहीं यक़ीनन इस सबके ज़िम्मेदार हम ख़ुद हैं। अब हम अपने बच्चों को रिश्तों के मायने सिखाना भूल रहे हैं। एकल परिवारों में रहने वाले बच्चे अब बाकी रिश्तों से परिचित ही नहीं हैं। दादा- दादी , नाना- नानी की छाया में पले बच्चे जहाँ बड़ों का सम्मान करना सीखते थे, वहीं बड़ी भाभी और बड़ी बहन को माँ और बड़े भाई को पिता का दर्ज़ा देना भी जानते थे। जितना हमारे परिवार छोटे होते गए हमारे पास व्यस्तता और भी बढ़ती गई। मिल बाँट कर होने वाले कामों की ज़िम्मेदारी अब अकेले हम पर आ गई। बच्चों को देने के लिए वक़्त ही कहां बचा। संस्कार जो परिवार में रहकर मिल सकते थे अब बच्चे उनसे भी वंचित हो गए। एक-दूसरे का सहयोग करना ,एक-दूसरे की बात सुनना, सहना या अपनी बात सबके सामने रखना ही अब बच्चे कहां सीख पा रहे हैं। माँ के अलावा भी कई महिलाएं होती हैं जिन्हे सम्मान देना होता है, कहाँ जानती है आज की पीढ़ी ? कड़वा है पर सत्य है।

आज समाज को ज़रूरत है की हम अपने बच्चों की परवरिश के तरीके बदलें। उनकी नींव इस तरह से रखें कि वो एक दूसरे को सम्मान देना सीखें। रिश्तों के मायने समझें। बुज़ुर्गों की कहानियां और किस्से सुनकर बड़े हुए बच्चे मोबाइल की चकाचौंध में बड़े हुए बच्चों से कहीं बेहतर होते हैं। वो जानते हैं कि दिन की शुरुआत मोबाइल रील से नहीं बल्कि माता-पिता को प्रणाम करके करनी चाहिए। वो जानते हैं असली रिश्ते सोशल मीडिया की भीड़ नहीं बल्कि वो हैं जो आस-पास हैं। वो जानते हैं कि असली शिक्षा केवल अच्छे नंबर लेकर टॉप करना भर नहीं बल्कि एक अनुशासित और आदर्शवादी जीवन जीने की कला सीखना है। वो जानते हैं जीतना केवल हासिल करना भर नहीं बल्कि हासिल की हुई खुशियों को सबके साथ बाँटना भी है। एक अच्छे समाज का निर्माण ही एक अच्छे देश और अच्छी दुनिया का निर्माण करने में सबसे पहला क़दम होता है और इसकी शुरुआत हम सबसे पहले अपने घर से ही करते हैं क्योंकि रिश्ते चाहे दो लोगों के बीच हों, दो परिवारों के बीच हों या दो देशों के बीच बहुत मायने रखते हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार है)

क्षणिक लोकप्रियता की दौड़ में सिमटता साहित्यिक मूल्य

डॉ. प्रियंका सौरभ,
लेखिका

तथाकथित कवि/कवयित्रियाँ सतही या बनावटी पंक्तियों के सहारे साहित्य का आवरण ओढ़कर, मूलतः आकर्षण-केन्द्रित प्रस्तुति को बढ़ावा दे रही हैं। जहाँ कविता संवेदनाओं की सच्ची अभिव्यक्ति होनी चाहिए, वहीं उसे कई बार केवल ध्यान खींचने का माध्यम बना दिया जाता है। इससे न केवल कविता की विश्वसनीयता प्रभावित होती है, बल्कि गंभीर और सार्थक साहित्यिक प्रयास भी हाशिए पर चले जाते हैं। जब साहित्य जैसे गंभीर विषय को प्रस्तुत किया जाता है, तो उसमें एक संतुलन और शालीनता अपेक्षित होती है। दुर्भाग्यवश, कई बार यह संतुलन केवल दर्शकों का ध्यान खींचने की कोशिश में खो जाता है, जिससे साहित्य की गंभीरता प्रभावित होती है।

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के स्वरूप को अभूतपूर्व गति और विस्तार दिया है। आज हर व्यक्ति के हाथ में एक मंच है—एक ऐसा मंच, जहाँ वह अपनी बात तुरंत लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। यह लोकतंत्रीकरण अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। परंतु हर शक्ति के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। दुर्भाग्यवश, इस जिम्मेदारी का संतुलन कई बार बिगड़ता हुआ दिखाई देता है, विशेषकर तब जब उद्देश्य अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि केवल लोकप्रियता रह जाता है। रील संस्कृति इसी असंतुलन का एक प्रमुख उदाहरण है। कुछ सेकंड के वीडियो में प्रभाव पैदा करने की होड़ ने अभिव्यक्ति को त्वरित, संक्षिप्त और कई बार सतही बना दिया है। साहित्य, जो मूलतः धैर्य, गहराई और चिंतन की मांग करता है, वह इस त्वरित उपभोग की संस्कृति में स्वयं को असहज महसूस कर रहा है। अधूरी पंक्तियाँ, संदर्भहीन उद्धरण और बनावटी भाव—ये सब मिलकर साहित्य को एक "उत्पाद" में बदल रहे हैं, जिसका उद्देश्य केवल ध्यान आकर्षित करना है।

आज "वायरल होना" ही सफलता का पैमाना बन गया है। इस मानसिकता ने सृजन की प्रक्रिया को प्रभावित किया है। लेखक अब यह सोचकर लिखता है कि क्या यह सामग्री लोगों को तुरंत आकर्षित करेगी, न कि यह कि क्या यह विचार समाज के लिए सार्थक है। परिणामस्वरूप, गहराई की जगह चटकपन और संवेदना की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। यह प्रवृत्ति न केवल साहित्य के साथ अन्याय है, बल्कि समाज के बौद्धिक स्तर को भी प्रभावित करती है।

साहित्य का मूल उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं है। वह समाज का दर्पण है, जो उसकी वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है और उसके अंतर्विरोधों को उजागर करता है। कबीर ने अपने दोहों के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किया, तुलसीदास ने आस्था और मर्यादा का संदेश दिया, प्रेमचंद ने समाज के यथार्थ को उजागर किया और महादेवी वर्मा ने संवेदनाओं की सूक्ष्मता को शब्द दिए। इन सभी रचनाकारों की कृतियाँ समय की कसौटी पर इसलिए खरी उतरीं क्योंकि उनमें गहराई, ईमानदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता थी।

इसके विपरीत, आज का एक बड़ा वर्ग साहित्य को केवल प्रस्तुति का माध्यम मान बैठा है। शब्दों की सुंदरता से अधिक महत्व उनके प्रदर्शन को दिया जा रहा है। रील्स में प्रस्तुत की जाने वाली कविताएँ कई बार न तो मौलिक होती हैं और न ही उनमें कोई गहन भाव होता है। वे केवल इस उद्देश्य से बनाई जाती हैं कि दर्शक कुछ क्षणों के लिए आकर्षित हों और "लाइक" या "शेयर" कर दें।

रील संस्कृति का एक और चिंताजनक पहलू है—अभिव्यक्ति की शालीनता में गिरावट। भाषा का स्तर, उच्चारण की स्पष्टता और प्रस्तुति की गरिमा—ये सभी तत्व किसी भी साहित्यिक अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण अंग होते हैं। लेकिन जब इनकी अनदेखी की जाती है, तो साहित्य का स्वरूप विकृत हो जाता है। कई बार तो स्थिति यह होती है कि मूल रचना का भाव ही पूरी तरह बदल जाता है।

परिधान और दृश्यात्मक प्रस्तुति को लेकर भी बहस तेज हो गई है। यह स्वीकार करना होगा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन हर अधिकार के साथ मर्यादा और जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब साहित्य जैसे गंभीर विषय को प्रस्तुत किया जाता है, तो उसमें एक संतुलन और शालीनता अपेक्षित होती है। दुर्भाग्यवश, कई बार यह संतुलन केवल दर्शकों का ध्यान खींचने की कोशिश में खो जाता है, जिससे साहित्य की गंभीरता प्रभावित होती है।

हालाँकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम इस पूरी स्थिति को एकांगी दृष्टिकोण से न देखें। सोशल मीडिया ने कई ऐसे प्रतिभाशाली रचनाकारों को मंच दिया है, जो पारंपरिक प्रकाशन व्यवस्था तक नहीं पहुँच पाते थे। आज छोटे-छोटे शहरों और गाँवों से भी लोग अपनी रचनाएँ साझा कर रहे हैं और पहचान बना रहे हैं। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। दरअसल, समस्या माध्यम में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के तरीके में है। रील्स भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती हैं, यदि उनका उपयोग सार्थक साहित्य प्रस्तुत करने के लिए किया जाए। कुछ रचनाकार इस दिशा में अच्छा कार्य भी कर रहे हैं—वे संक्षिप्तता में भी गहराई बनाए रखते हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करते हैं। यह दर्शाता है कि यदि नीयत सही हो, तो कोई भी माध्यम साहित्य के प्रसार का सशक्त उपकरण बन सकता है।

(ये लेखिका के निजी विचार है)

आर्थिक सशक्तिकरण में बीमा उद्योग की भूमिका

ऋतु प्रकाश,
सहायक महाप्रबंधक
यूको बैंक

किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ीकरण एवं आर्थिक सशक्तिकरण में बीमा उद्योग की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। राष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला में एक केंद्रीय और अपरिहार्य स्तंभ के रूप में यह क्षेत्र केवल एक जोखिम हस्तांतरण तंत्र तक सीमित न होकर व्यक्तिगत स्तर पर वित्तीय स्थिरता प्रदान करने, व्यापक आर्थिक विकास के लिए दीर्घकालिक पूंजी जुटाने और सरकारी सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए एक प्रभावी वितरण मंच के रूप में कार्य करता है। अपने परिवार के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने की चाहत रखने वाले व्यक्ति से लेकर जोखिम को कम करने की चाहत रखने वाले व्यवसायिकों तक, बीमा वित्तीय लचीलापन और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह केवल व्यक्तियों और व्यवसायों को सुरक्षा प्रदान नहीं करता बल्कि यह राष्ट्र के आर्थिक सशक्तिकरण और दीर्घकालिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में कार्य करता है ।

आर्थिक सशक्तिकरण के लिए आवश्यक स्तंभ जोखिम प्रबंधन एवं स्थिरता पूंजी निर्माण और दीर्घकालिक निवेश ऋण सुविधा वित्तीय लेनदेन की कसौटी पर बीमा उद्योग न केवल खड़ी उतरती है बल्कि वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से एक बड़े हिस्से को किफायती दरों पर वित्तीय सुरक्षा भी मुहैया करवाती है। राष्ट्र के आर्थिक विकास में बीमा उद्योग की महत्ता इन आंकड़ो से भी प्रदर्शित होती है कि बीमा वाहकों के कुल निवेश पूंजी का 50% से अधिक हिस्सा ऋण और इक्विटी बाजारों में निर्देशित होता है। पूंजी बाजार को स्थिरता प्रदान करती है और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसंरचना परियोजनाओं के लिए धैर्यवान पूंजी का प्राथमिक स्रोत है ।आर्थिक संदर्भ के साथ-साथ सामाजिक संदर्भ में भी बीमा उद्योग ने अपनी बेहतर भूमिका अदा की है।सरकारी प्रायोजित योजनाओं विशेष रूप से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ने वित्तीय समावेशन को तेजी से बढ़ाया है जो गंभीर राष्ट्रीय संकटों के दौरान स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ है। उदाहरण स्वरूप वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान कोविड लहर के बीच 3 ,40,192 दावों का निपटान किया गया जिसने कमजोर परिवारों को महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान की एवं सुनिश्चित किया कि संकट के समय परिवार आर्थिक रूप से टूट न जाए। यह लोगों को बचत को अचानक कार्यों के लिए आरक्षित रखने के बजाय अन्य उत्पादक कार्यों जैसे शिक्षा या व्यवसाय में निवेश करने की स्वतंत्रता देता है । व्यवसाय अपने संचालन से जुड़े जोखिमों जैसे आग,चोरी या आपूर्ति श्रृंखला में बाधा को बीमा के माध्यम से हस्तांतरित करते हैं ।यह उन्हें बिना किसी बड़े डर के नवाचार करने, विस्तार करने और नए बाजारों में प्रवेश करने का व्यावसायिक आत्मविश्वास देता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है बीमा कंपनियों द्वारा एकत्र किए गए प्रीमियम एक विशाल पूंजी कोष का निर्माण करते हैं जो किसी भी देश के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए महत्वपूर्ण है । बुनियादी ढांचा वित्त पोषण के अंतर्गत जीवन बीमा कंपनियां आमतौर पर दीर्घकालिक देयताओं को कवर करती है, इसलिए वे एकत्रित धन का एक बड़ा हिस्सा पुल , बिजली संयंत्र में निवेश करती हैं ।यह निवेश रोजगार सृजित करते हैं एवं देश की उत्पादक क्षमता को बढ़ाते हैं ।स्टॉक बाजार को सुदृढ़ बनाने के लिए बीमा कंपनियां शेयर बाजार और सरकारी प्रतिभूतियों की सबसे बड़ी संस्थागत निवेशक होती है। यह पूंजी बाजार को गहराई और स्थिरता प्रदान करता है, जिससे अन्य कंपनियों के लिए पूंजी जुटाना आसान हो जाता है। बीमा वित्तीय लेन-देन और ऋणों को सुगम बनाने में सहायक होता है। बैंक भी अक्सर गृह ऋण, कार और व्यावसायिक ऋण देते समय बीमा कवर को अनिवार्य रूप से लेते हैं, क्योंकि एक तो यह बैंक को सुरक्षा प्रदान करता है जिससे वे कम जोखिम पर अधिक आसानी से और कम ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध करवाते हैं।

निर्यात आयात और व्यापार लेनदेन में क्रेडिट बीमा के द्वारा कंपनियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में संभावित नुकसान से सुरक्षा मिलती है। समाज के अभिवंचित समुदाय के लोग जो मुख्यतः सामाजिक तौर पर हाशिये में रहते हैं, उन्हें वित्तीय प्रणाली में समावेशित कर बीमा उद्योग सूक्ष्म बीमा द्वारा विशेष रूप से कम आय वाले परिवारों के लिए डिजाइन किए गए छोटे प्रीमियम और सरल कर वाले उत्पाद उन्हें बीमारी फसल के नुकसान या मृत्यु के वित्तीय आघात से बचाते हैं ।

निष्कर्षतः बीमा उद्योग आर्थिक सशक्तिकरण के तीनों स्तंभों को मजबूत करता है- स्थिरता, विकास और समावेशन। जोखिमों को कम करके यह व्यवसायों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।पूंजी जुटाकर यह अर्थव्यवस्था के विकास को वित्तपोषित करता है और वंचितों को सुरक्षा देकर यह समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

(ये लेखिका के निजी विचार है)

डिजिटल युग में शिक्षा: अवसरों के साथ उभरती चुनौतियां

डॉ कल्पना बजाज,
प्रधानाचार्या, जनता पब्लिक स्कूल, रक्षा अकादमी और गुरुकुल अलाहर

आज का शिक्षा परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने सीखने के तरीके, शिक्षण पद्धतियों और मूल्यांकन प्रणाली को पूरी तरह से नया रूप दे दिया है। जहाँ एक ओर डिजिटल माध्यमों ने शिक्षा को सुलभ, रोचक और व्यापक बनाया है, वहीं दूसरी ओर कई नई चिंताएँ भी उभरकर सामने आई हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है।

सबसे प्रमुख चिंता है डिजिटल असमानता। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच संसाधनों की उपलब्धता में बड़ा अंतर है। सभी छात्रों के पास स्मार्ट डिवाइस, इंटरनेट कनेक्टिविटी या डिजिटल साक्षरता नहीं है। परिणामस्वरूप, कई विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण समस्या है स्क्रीन टाइम का बढ़ता प्रभाव। ऑनलाइन कक्षाओं और डिजिटल संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। आँखों की समस्याएँ, एकाग्रता में कमी और सामाजिक कौशल में गिरावट जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं।

इसके अलावा, मानवीय मूल्यों और सामाजिक जुड़ाव में कमी भी एक उभरती चिंता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भरता के कारण शिक्षक-छात्र संबंधों में वह आत्मीयता नहीं रह पाती, जो पारंपरिक कक्षा में संभव होती है। शिक्षा केवल जानकारी का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया भी है, जिसे तकनीक पूरी तरह प्रतिस्थापित नहीं कर सकती।

मूल्यांकन प्रणाली भी चुनौती के दौर से गुजर रही है। ऑनलाइन परीक्षाओं में नकल, निष्पक्षता और विश्वसनीयता को लेकर प्रश्न उठते हैं। इससे छात्रों के वास्तविक ज्ञान और कौशल का सही आकलन कठिन हो जाता है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। सरकार और शिक्षण संस्थानों को डिजिटल संसाधनों की समान उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, शिक्षकों को तकनीक के प्रभावी और जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रशिक्षित करना भी जरूरी है। अंततः, शिक्षा में तकनीक का उपयोग एक साधन के रूप में होना चाहिए, न कि उद्देश्य के रूप में। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल प्रगति के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, रचनात्मकता और समग्र विकास को भी समान महत्व दिया जाए। तभी हम एक सशक्त और संतुलित शिक्षा प्रणाली का निर्माण कर सकेंगे।

(ये लेखिका के निजी विचार है)

सिविक सेंस में कितने खरे हैं आप और हम?

डॉ. अभिनव,
असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

सिविक सेंस (नागरिक चेतना) का आपने नाम तो अवश्य ही सुना होगा लेकिन दैनिक जीवन में 'सिविक सेंस' की अनुपालना कितनी होती है यह सवाल है? आप अपने जीवन उपयोगिकी कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए नियमित रूप से घर से बाहर निकलते हैं तो क्या देखते है? आप और दूसरे लोग क्या 'सिविक सेंस' में है? आप दूसरों की छोड़िये, अपनी ही बात कर किजिए क्योंकि 'सिविक सेंस' अपने अंदर से आएगी ना कि दूसरों के देखा-देखी से आती है। हाँ, इतना तो दैनिक जीवन में अहम है कि कभी-कभी 'सिविक सेंस' की अनुपालना कभी हम भूल भी सकते हैं तो कभी दूसरें लोगों को देखकर 'सिविक सेंस' (नागरिक चेतना) की अनुपालना तुरंत संभावना बढ़ जाती है।

क्या आप उनमें से एक है? या दूसरे ये कहे कि हम उनमें से है जो रात्रि के 10:00 बजे बाद भी अपने पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक समारोह के आयोजन में ऊँची ध्वनि में डीजे बजाते हैं! और दूसरे लोगों के मानवाधिकारों की भी धज्जियाँ उड़ाते हैं! इस कड़ी में कैथल जिले के थाना गाँव की पंचायत ने रात के 10:00 बजे के बाद ऊँची ध्वनि डीजे नहीं बजाने पर आम फैसला लिया है जो काबिले तारीफ है।

'सिविक सेंस' (नागरिक चेतना) का मतलब है कि हम अपने आसपास के वातावरण, लोगों और सार्वजनिक और निजी संपत्तियों का नियमित सम्मान करना। 'सिविक सेंस' से सीखते है कि हम ऐसे कार्य करें जिससे समाज में अनुशासन और स्वच्छता बनी रहे और राष्ट्र विकासशील से विकसित की ओर बढ़े। दूसरे शब्दों में और समझे तो 'सिविक सेंस' का सामान्य अर्थ होता है कि-सामाजिक अनुशासन, उत्तरदायित्व और सार्वजनिक स्थानों पर उचित मानसिक व्यवस्था के व्यवहार से है। जबकि लोग अपने घरों में स्वच्छता बनाए रखने की सर्वोच्चता रखते हैं, वही सार्वजनिक स्थानों को (कुछ लोग) प्रायः अस्वच्छ रखने का प्रयास करते हैं, जो सामूहिक उत्तरदायित्व की कमी को दर्शाता है।

सिविक सेंस (नागरिक चेतना) के उदाहरण- सड़क पर कूड़ा न फेंकना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने का प्रयास करना, दूसरों की सुविधाओं का ध्यान रखना, आम सड़कों, रेड-राइटों पर वाहनों को लाइनों में खड़े रहना, इत्यादि छोटी-छोटी आदतें ही एक अच्छे नागरिक चेतना की पहचान बनाती हैं। दूसरी तरफ हमारे अंदर सिविक सेंस (नागरिक चेतना) की कमी के परिणामों के तहत-जब लोग नित्य जीवन में अपने दैनिक कार्यो के दौरान सिविक सेंस का पालन नहीं करते, तो कई समस्याएँ पैदा होती हैं जैसे- हमारे आस-पास गंदगी फैलना, ध्वनि प्रदूषण बढ़ना, छोटी-छोटी बातों पर आपसी उन्माद बढ़ना जिसमें गाली-गलौच, हाथ-पाई, मारपीट तक होना, ट्रैफिक जाम और असंभावना रहित दुर्घटनाएँ होती हैं, या सामाजिक और धार्मिक उन्माद से सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति का नुक्सान होता है, जिससे समाज में अव्यवस्था फैलती है जिससे हम-आप बेवजह मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से परेशान होते ही हैं साथ में अपने जीवन में आगे बढ़ाने वाली रचनात्कता में पीछे रह जाते हैं। मैं और मेरे कुछ मित्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में शिक्षक हैं जो कुछ समय से सप्ताह में दो बार शाम को 'सिविक सेंस' के तहत ही रोज गार्डन में विद्यार्थियों द्वारा खाद्य एवं पेय-पदार्थ के बाद छोड़ा गया कचरा साफ करते हैं। यह विचार हम मित्र शिक्षकों में अचानक नहीं आया क्योंकि हम विद्यार्थियों को अपनी नियमित कक्षाओं में 'सिविक सेंस' (नागरिक चेतना) का बोध करवाते हैं ताकि वे सार्वजनिक एवं निजी स्थानों पर इसका अनुपालना करे।

हालांकि 'सिविक सेंस' कोई सीखने वाले प्रक्रिया नहीं है यह तो आत्मबोध है जिसे हम-आप अपने परिवार, पड़ोस और इधर-उधर भ्रमण के वातारण को देखते हैं और उसके आत्मविश्लेषण से सीखते हैं। रोज गार्डन में नियमित कचरा साफ करने का आत्मबोध हमें नियमित सैर-करते हुए आया जिसे हमने निरंतर आगे बढ़ाया।

हम-आप समझते है कि निजी स्थानों की तुलना में सार्वजनिक संपत्ति का रखरखाव हमारे द्वारा होता है लेकिन उसे 'सिविक सेंस' के तहत बढ़ाया जा रहा है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार भारतीय रेलवे ने अकेले तंबाकू के दागों की सफाई पर 12,000 करोड़ खर्च किए हैं, जो सार्वजनिक स्वच्छता के प्रति व्यापक उपेक्षा को दर्शाता है। इतनी धनराशि रेलवे के दूसरे कार्यों में खर्च की जा सकती थी। पूर्व राज्य खासकर मिजोरम में हमें उच्च 'सिविक सेंस' (नागरिक चेतना) स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, क्योंकि लोग 'हार्न' बजाने से बचते हैं, यातायात लेन का पालन करते हैं और व्यवस्था बनाए रखते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार है)

न्यूज ब्रीफ

एसआईआर अधिकारियों को धमकी पर भड़के सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली » सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपनी पूर्ण एवं असीमित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में जुटे सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हमले से संबंधित मामलों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को ट्रांसफर कर दिया। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम। पंचोली की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल में नौकरशाही की विश्वसनीयता कम की जा रही है और सचिवालय एवं सरकारी कार्यालयों में राजनीति घुसाई जा रही है।

कुंभ में फेमस आईआईटी बाबा ने रचाई शादी, कर्नाटक की इंजीनियर बनीं हमसफर

नई दिल्ली » महाकुंभ के दौरान अपनी उच्च शिक्षा और आध्यात्मिक जीवन के संगम से दुनिया को हैरान करने वाले अभय सिंह (आईआईटी बाबा) अपनी पत्नी के साथ झज्जर स्थित घर पहुंचे। अभय सिंह ने बीते 15 फरवरी को शिवरात्रि के पावन अवसर पर हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध अघंजर मंदिर में पारंपरिक रीति-रिवाजों से शादी की। इसके बाद 19 फरवरी को दोनों ने कोर्ट मैरिज कर अपने रिश्ते को कानूनी रूप भी दिया। अभय सिंह की पत्नी मूल रूप से कर्नाटक की रहने वाली हैं और पेशे से वह भी एक इंजीनियर हैं। वर्तमान में यह नवविवाहित जोड़ा हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में रह रहा है।

महाशक्तियों की मीटिंग, चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा

अमेरिका-ईरान वार्ता के लिए इस्लामाबाद में लॉकडाउन

एजेंसी » नई दिल्ली

मध्य पूर्व में नाज़ुक संघर्ष-विराम के बीच, सभी की नज़रें इस्लामाबाद पर होंगी, जहाँ 11 अप्रैल से अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत होगी। पाकिस्तान की राजधानी पहले ही एक किले में तब्दील हो चुकी है, जहाँ सुरक्षा बल मुख्य सड़कों और सरकारी इमारतों पर गश्त कर रहे हैं।

इस्लामाबाद से मिली तस्वीरों में शहर का 'रेड ज़ोन' कड़ी सुरक्षा घेरे में दिखाई दे रहा है, और इस इलाके में आम लोगों की आवाजाही भी सीमित कर दी गई है। रेड ज़ोन की सभी सड़कें, जहाँ संसद, अहम सरकारी इमारतें, आलीशान होटल, दूतावास और विदेशी संगठनों के दफ़्तर मौजूद हैं, आम लोगों की गाड़ियों के लिए बंद कर दी गई हैं। सशस्त्र पुलिस गार्डों ने पूरे शहर में कई चेकपॉइंट बनाए हैं, जबकि अधिकारियों ने मेहमान टीमों की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया है।

अधिकारियों ने अहम बातचीत से पहले आम लोगों की आवाजाही को कम करने के मकसद से राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार और शुक्रवार को छुट्टी भी घोषित कर दी है। कई स्कूल और दुकानें बंद कर दी गई हैं, और कुछ ही इलाकों में सीमित गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। ये आने वाली बातचीत तेहरान और वॉशिंगटन के बीच दो हफ्ते के सीज़फ़ायर के बाद हो रही है। इस सीजफायर का ऐलान 28 फरवरी को ईरान के सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद शुरू हुए बढ़ते संघर्ष के दौर के बाद किया गया था। पाकिस्तान के कूटनीतिक दखल से मुमकिन हुई इस अस्थायी शांति ने दोनों पक्षों के लिए बातचीत करने का एक छोटा और नाज़ुक मौक़ा खोला है, जिसका मकसद आगे किसी भी तरह के तनाव को बढ़ने से रोकना है।

इसके बावजूद बताया है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल अभी तक पाकिस्तान के लिए रवाना नहीं हुआ है, जिसकी वजह लेबनान पर जारी इज़राइली हमले हैं; जबकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनका प्रतिनिधिमंडल आने वाली बातचीत के लिए हंगरी से रवाना हो चुका है। गल्फ न्यूज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने अमेरिकी राजदूत को दौरे पर आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के लिए पुख्ता सुरक्षा का आश्वासन दिया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, उनका यह आश्वासन ऐसे समय में आया है जब सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए 30 सदस्यों वाली एक अमेरिकी अग्रिम टीम इस्लामाबाद पहुंच चुकी है।

शांति वार्ता के लिए जेडी वेंस पाकिस्तान रवाना

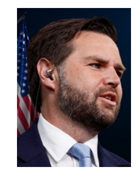

नई दिल्ली » अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ईरान के साथ वार्ता का नेतृत्व करने के लिए पाकिस्तान रवाना हो गए हैं। वॉशिंगटन से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगी वेंस को इस संवेदनशील मिशन की जिम्मेदारी सौंपी है। वार्ता का मकसद ईरान के साथ चल रहे तनाव का समाधान निकालना है। वार्ता की पहल ऐसे समय में हो रही है जब अस्थायी युद्धविराम कमजोर पड़ता दिख रहा है और ईरान के साथ अमेरिका और इजराइल के बीच मतभेद बने हुए हैं. इन मतभेदों को सुलझाना आसान नहीं माना जा रहा।

ईरान अमेरिका की बातचीत में दोनों देशों के प्रतिनिधि शामिल होने वाले हैं। व्हाइट हाउस के मुताबिक वार्ता शनिवार (11 अप्रैल) को होगी। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में उपराष्ट्रपति जेडी वैंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर शामिल हो सकते हैं। जेडी वेंस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। हालांकि व्हाइट हाउस ने बातचीत के स्वरूप को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है।

ईरान-इजराइल युद्ध

सीजफायर युद्ध का अंत नहीं, जरूरत पड़ी तो फिर शुरू होगी वॉर: नेतन्याहू

एजेंसी » नई दिल्ली

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि अभी मिशन पूरा नहीं हुआ है, अगर जरूरत पड़ी तो लड़ाई फिर शुरु हो सकती है। सीजफायर युद्ध का अंत नहीं, सिर्फ एक पड़ाव है। नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल का मकसद ईरान से संवर्द्धित यूरेनियम नहीं रहने देने का है। नेतन्याहू ने मीडिया के लिए जारी एक वीडियो बयान में कहा कि अगर हमने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन गिदोन स्वोर्ड और ऑपरेशन लॉयन रोर शुरू नहीं किया होता, तो उसके पास बहुत पहले ही परमाणु हथियार और हजारों मिसाइलें होतीं, जिनसे वह इजराइल को नष्ट कर सकता था और हम सभी के अस्तित्व को खतरे में डाल सकता था।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया- हमने आतंकी शासन को कई साल पीछे धकेल दिया है। संवर्द्धित यूरेनियम (Enriched Uranium) ईरान से बाहर ले जाई जाएगी- चाहे समझौते के माध्यम से या फिर दोबारा युद्ध के जरिए। इस मुद्दे पर इजराइल और अमेरिका पूरी तरह एकमत हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल किसी भी समय फिर से लड़ाई शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि हमारी उंगली ट्रिगर पर है। इजराइल के सामने अभी भी कई अहम लक्ष्य बाकी हैं, जिनमें ईरान के संवर्द्धित यूरेनियम का मुद्दा सबसे प्रमुख है। विपक्ष की ओर से युद्ध के उद्देश्यों को हासिल करने में विफल रहने और अमेरिकी दबाव में युद्ध-विराम स्वीकार करने के आरोपों पर नेतन्याहू ने सफाई दी। उन्होंने कहा- यह अस्थायी युद्ध-विराम इजराइल के साथ तालमेल के बाद हुआ है। उन्होंने कहा- अमेरिकियों ने आखिरी समय में हमें चौंकाया नहीं।

ईरान को इजराइल ने किया है काफी कमजोर- नेतन्याहू

प्रधानमंत्री तेतन्याहू ने दावा किया कि इजराइल ने केवल ईरान की मिसाइलों को ही निशाना नहीं बनाया, बल्कि उसकी मिसाइल निर्माण क्षमता को भी बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है। उन्होंने कहा- ईरानियों ने केवल उन्हीं मिसाइलों का इस्तेमाल किया, जो उनके पास पहले से स्टॉक में बची हुई थीं।

जारी रहेगा हिजबुल्ला के खिलाफ ऑपरेशन

नेतन्याहू ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखने का भी संकल्प जताया है। उन्होंने दावा किया कि बेरूत में बुधवार को हिजबुल्ला के 100 से अधिक ठिकानों पर किए गए हमलों में उग्रवादी संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया गया। आगे भी हमला जारी रह सकता है।

नाटो पर फिर भड़के ट्रंप, कहा- जरूरत के वक्त नहीं दिया साथ

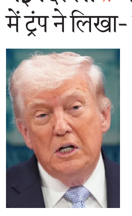

नई दिल्ली » सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने लिखा- नाटो हमारे साथ नहीं था, जब हमें उसकी जरूरत थी। और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा। इससे पहले ट्रंप ने नाटो से अलग होने का संकेत दिया था। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी कहा था कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं।

अमेरिकी कांग्रेस 2023 में एक कानून पारित कर चुकी है, जिसके तहत कोई भी राष्ट्रपति कांग्रेस की मंजूरी के बिना नाटो से बाहर नहीं हो सकता। ट्रंप लंबे समय से नाटो की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भी संकेत दिया था कि वह गठबंधन से बाहर निकल सकते हैं। नाटो की स्थापना 1949 में यूरोप की सुरक्षा के लिए की गई थी।

मणिपुर में तनाव बढ़ा, दो बच्चों की मौत के विरोध में उतरा जनसैलाब

कर्फ्यू का उल्लंघन कर निकाली गईं रैलियां

एजेंसी » नई दिल्ली

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक घर पर हुए बम हमले में दो मासूम बच्चों की जान जाने के बाद राज्य के घाटी जिलों में हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। बृहस्पतिवार को इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में हजारों लोग कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए सड़कों पर उतर आए। टायर जलाकर और अवरोधक लगाकर प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। इंफाल पश्चिम जिले के टिडिम लाइन में संगठन 'ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन' (एएमयूसीओ) के तत्वावधान में सैकड़ों लोगों ने क्वाकेइथेल के पास स्थित संगठन के कार्यालय से रैली निकाली, जिसमें हत्याओं की निंदा की गई और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई।

हमले में मारे गए दो नाबालिगों के पोस्टर लिए हुए कई बच्चे भी रैली में शामिल हुए जिन्हें सुरक्षा बलों ने क्वाकेइथेल के पास आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह से मुलाकात के लिये एएमयूसीओ के प्रतिनिधियों एवं अन्य को ले जाया गया ताकि वे अपनी चिंताओं को उनके सामने रख सकें। बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी में सात अप्रैल को संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा एक घर पर बम फेंके जाने से पांच वर्षीय बालक और उसकी छह महीने की बहन की मौत हो गई।

तेलबंदी के बीच क्यूबा पहुंची भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला

नई दिल्ली » वॉशिंगटन के सत्ता गलियारों में जब डोनाल्ड ट्रंप की मैक्सिमम प्रेशर नीति का डंका बज रहा था, ठीक उसी वक्त चेन्नई में जन्मी अमेरिका की एक महिला सांसद ने उस चक्रव्यूह को भेदने का साहस दिखाया जिसे तोड़ने की हिम्मत बड़े-बड़े दिग्गज नहीं जुटा पाए। भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने ट्रंप की सीधी धमकियों और तेल नाकाबंदी के कड़े पहरे की परवाह किए बिना सीधे क्यूबा की सरजमीं पर कदम रख दिया। एक तरफ दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्रपति का हठ था तो दूसरी तरफ प्रमिला का वो साहस जिसने हवाना के बदहाल अस्पतालों और तड़पते मरीजों के बीच पहुंचकर वाइटहाउस की क्रूर नीतियों को मानवता के कटघरे में खड़ा कर दिया।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

रियो ओलंपिक पार्क में लगी आग, 80 दमकलकर्मियों ने पाया काबू, टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली » रियो डी जिनेरियो के ओलंपिक पार्क वेलोड्रोम में बुधवार सुबह आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 80 दमकलकर्मियों और 20 गाड़ियों को आपात स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भेजा गया। 'रियो स्टेट मिलिट्री फायर डिपार्टमेंट' ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है और यह अधिकतर आयोजन स्थल की 'फैब्रिक' की छत तक ही सीमित रही। किसी के घायल होने की खबर नहीं है और इमारत का अंदर का हिस्सा भी सुरक्षित है जिसमें ओलंपिक संग्रहालय भी शामिल है। मौजूदा घटना के कारण की जांच चल रही है लेकिन इस स्थल की छत पर आग लगने का इतिहास रहा है। वर्ष 2017 में भी दो बार ऐसे ही लाग लगी थी।

प्रैक्टिस के दौरान सिर में लगी गेंद, पाकिस्तानी पेसर अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली » मंगलवार को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम में, इस्लामाबाद यूनाइटेड के तेज गेंदबाज मीर हमजा सज्जाद को गेंद से सिर के पिछले हिस्से में चोट लग गई और इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हनीफ मोहम्मद हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में नेट सेशन के दौरान, 24 वर्षीय सज्जाद को पीछे से चोट लगी और वे कुछ समय के लिए बेहोश हो गए। जियो सुपर के अनुसार, न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने गलत शॉट खेला जिसके कारण सज्जाद को गेंद लगी और और वह गिर पड़े। इस घटना की वजह से प्रैक्टिस रोक दिया गया और कुछ देर बाद प्रैक्टिस रद्द कर दिया गया।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा

» मीनाक्षी हुड्डा और प्रीति पवार के गोल्ड सहित भारत ने जीते 10 मेडल

एजेंसी » नई दिल्ली

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार के नेतृत्व में भारत ने बृहस्पतिवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगा दी। मीनाक्षी (48 किग्रा) और प्रीति (54 किग्रा) के अलावा प्रिया घंघास (60 किग्रा) और 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप' की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने भी फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारत को सबसे बड़ा झटका 57 किग्रा वर्ग में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रूएनरोस (पूर्व नाम जुतामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत को एक और रजत पदक अल्फिया पठान (80+ किग्रा) के रूप में मिला, जो फाइनल में कजाखस्तान की दीना इस्लामबेकोवा से 0-5 से हारकर उपविजेता रहीं। फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारतीय मुक्केबाजों ने इस वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर लिया, जो भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की चयन नीति के अनुरूप है।

भारतीय महिला टीम ने कुल 10 पदकों (चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य) के साथ सबसे सफल टीम के रूप में शीर्ष स्थान हासिल किया। कुछ भार वर्गों में सीमित भागीदारी (जहां केवल तीन मुक्केबाज ही उतरे) के कारण लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और अल्फिया को महज भागीदारी के आधार पर ही पदक मिल गए। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

मीनाक्षी हुड्डा ने मंगोलिया की नोमुंदारी एंख-अमगालन को 5-0 से हराकर दिन का पहला स्वर्ण पदक जीता। प्रीति पवार ने इसके बाद अपने बेहतरीन फॉर्म को जारी रखते हुए चीनी ताइपे की तीन बार की विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हुआंग शियाओ-वेन को 5-0 से हराया। प्रिया घंघास ने उत्तर कोरिया की वोन उन-ग्योंग को 3-0 से मात देकर स्वर्ण जीता, जबकि अरुंधति चौधरी ने कजाखस्तान की बाकित सैदिश को 4-1 से हराकर प्रभावशाली जीत दर्ज की। इससे पहले दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन (54 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। विश्वनाथ सुरेश (48 किग्रा) और सचिन सिवाच (60 किग्रा) पुरुष वर्ग में शुक्रवार को अपने-अपने फाइनल मुकाबले खेलेंगे। भारत ने इस प्रतियोगिता में अब तक 16 पदक पक्के कर लिए हैं, जो मौजूदा संस्करण में किसी भी देश द्वारा सबसे अधिक हैं।

धीमी ओवर गति के लिए गुजरात के कप्तान शुभमन गिल पर लगा 12 लाख रु. का जुर्माना

एजेंसी » नई दिल्ली

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए कार्रवाई की गई है। गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने दिल्ली के खिलाफ रोमांचक मुकाबला एक रन से अपने नाम किया था। गुजरात की मौजूदा आईपीएल सीजन में यह पहली जीत है लेकिन अब गुजरात के कप्तान पर जुर्माना भी लग गया है।

आईपीएल ने एक बयान में कहा, गुजरात के कप्तान गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 14वें मैच में धीमी ओवर गति को लेकर जुर्माना लगाया गया है। यह मौजूदा सीजन में टीम आईपीएल की आचार संहिता 2.22 का पहला उल्लंघन था जिस कारण उन पर न्यूनतम कार्रवाई की गई है। इसी कारण गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

प्रसिद्ध कृष्णा की अंतिम ओवर में की गई शानदार गेंदबाजी और डेविड मिलर की एक गलती से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हराया। गुजरात की आईपीएल में रनों से लिहाज से ये सबसे कम अंतराल से जीत है। बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन ही बना सकी।

दिल्ली की टीम आईपीएल में पहली बार एक रन से नहीं हारी है। यह चौथी बार है जब टीम को एक रन के अंतराल से हार मिली है।

क्या वैभव सूर्यवंशी छुपा रहे अपनी उम्र!

नई दिल्ली » बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी इन दिनों एक वायरल वीडियो के कारण चर्चा का विषय बने हुए हैं। आमतौर पर अपने शानदार खेल और रिकॉर्ड के लिए मशहूर वैभव की उम्र को लेकर इंटरनेट पर सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक पुराना क्लिप बहुत तेजी से फैल रहा है। इस क्लिप के सामने आने के बाद उनकी असली उम्र और इंटरनेट पर मौजूद उम्र के बीच भारी अंतर दिख रहा है। इसी कारण क्रिकेट फैंस बहुत भ्रम में हैं।

40 की उम्र में संग्राम सिंह ने रचा इतिहास

अर्जेंटीना में एमएमए फाइट जीतने वाले पहले भारतीय फाइटर बने

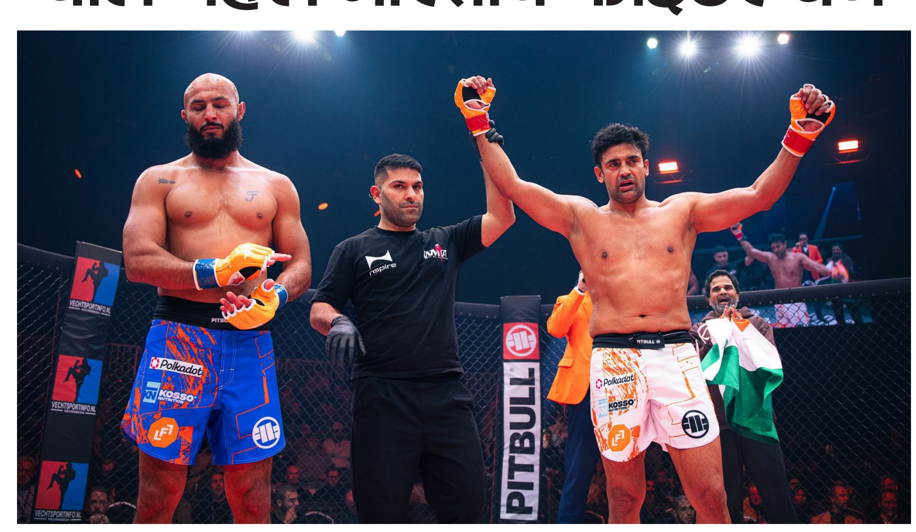

एजेंसी » नई दिल्ली

जब रविवार की रात को पूरा भारत सो रहा था, तब एमएमए का आइकन संग्राम सिंह ब्यूनस आयर्स में इतिहास रच रहा था। उन्हें अर्जेंटीना में एमएमए फाइट जीतने वाले पहले भारतीय होने का गौरव हासिल हुआ। उम्र में 16 साल छोटे फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन काउडियर को उन्होंने यहां बयूनस आयर्स के खचाखच भरे टिगरे स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में महज एक मिनट 45 सेकंड में धराशायी कर दिया।

तिबस्ली (जॉर्जिया) और एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) में जीत के बाद उन्होंने एमएमए में जीत की हैट्रिक भी पूरी कर ली। इस फाइट में उन्हें कुश्ती के दांव पेंचों का काफी फायदा हुआ। जीत के बाद रिंग पर दिए उनके एक बयान से पूरा एमएमए एरिना तालियों के शोर से गूंज उठा। दोहरे कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैम्पियन संग्राम सिंह ने कहा कि मेरे लिए जीत-हार कोई मायने नहीं रखती। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं अक्सर कहता हूं कि पैशन की कोई उम्र नहीं होती। जैसा कि प्रधानमंत्रीजी अक्सर कहते हैं कि ऊंचे सपने देखो और उनको साकार करने में जुट जाओ। मेरा भी अर्जेंटीना में फाइट जीतने पर पहले भारतीय बनने का सपना साकार हुआ। उन्होंने आयोजकों के साथ ही अपने कोच भूपेश का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पिछले 25 साल से उनके साथ हैं। वह भी मुझे कामयाबी दिलाने में दिन-रात जुटे रहे। उन्होंने कहा कि जीत के बाद उन्हें देश विदेश से बधाई संदेशों का तांता लग गया।

सिंह प्रोफेशनल कुश्ती में वर्ल्ड हैवीवेट चैम्पियन भी रह चुके हैं। खेल मंत्रालय की फिट इंडिया मूवमेंट के ब्रैंड एम्बेसडर संग्राम सिंह ने कहा कि इस बार हालात उनके लिए काफी मुश्किल थे। कॉम्पीटिशन से दो दिन पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 600 ग्राम अधिक था। दिन भर उन्होंने अपने कोच के साथ कड़ी मेहनत की। खूब पसीना बहाया। दिन भर में आधा गिलास पानी पीया। संग्राम सिंह 83 किलो वजन में उतरे जहां दो किलो की छूट थी। संग्राम सिंह ने कहा कि वह मानसिक और शारीरिक रूप से बड़ा दबाव महसूस कर रहे थे। इस अवसर पर मौजूद भारतीय राजदूत और उनके बेटे ने भी इस जीत के बाद बेहद भावुक होकर उन्हें बधाई दी। उस समय पूरा स्टेडियम शोर से गूंज उठा था। स्टेडियम के एक कोने से भारत माता की जय के भी नारे लग रहे थे। संग्राम ने कहा कि मुझे भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि पूरा स्टेडियम मेरी फाइट के दौरान मुझे ही क्यों चीयर-अप कर रहा है।

मुकाबले के शुरू में संग्राम के एक पंच को फ्लोरियन ने अपने चेहरे पर लगने से बचा लिया। वह पंच उनके कंधे पर लगा। इसके जवाब में फ्लोरियन ने पसलियों पर किक से प्रहार किया। वहीं संग्राम की ओर से भी भी किक से ही जवाबी हमला देखने को मिला। संग्राम ने कहा कि फ्लोरियन दिखने में तगड़े ज़रूर थे लेकिन उनके हाथ-पैर काफी तेज़ी से चल रहे थे। संग्राम ने कहा कि आखिरकार कुश्ती का उनका अनुभव काम आया। फ्लोरियन की किक को पकड़कर उन्होंने नीचे गिराया। यानी उन्हें कुश्ती के लेग अटैक का फायदा मिला। फिर नीचे आकर उन्होंने सांडी तोड़ने की कोशिश की और फिर उन्हें लम्बा करके चोक कर दिया। रेफरी के तीन बार पूछने पर आखिरकार फ्लोरियन ने अपनी हार मान ली। इस तरह संग्राम ने अपनी तीसरी एमएमए फाइट को भी सहजता के साथ जीता।

बॉलीवुड न्यूज

'सरके चुनर तेरी' विवादित गाने पर राष्ट्रीय महिला आयोग की फटकार

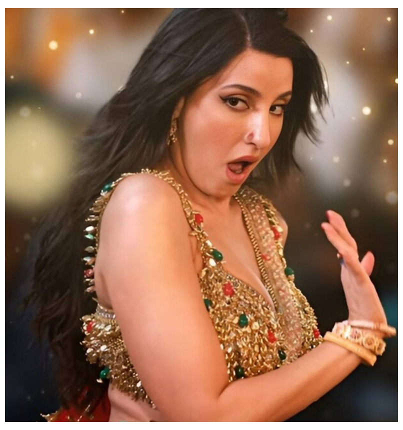

नई दिल्ली » राष्ट्रीय महिला आयोग ने विवादित गाने 'सरके चुनर तेरी' को लेकर स्वतः संज्ञान मामले में सुनवाई की। इस सुनवाई की अध्यक्षता आयोग की चेयरपर्सन विजया रहातकर ने की। मामले में गीतकार रकीब आलम, निर्देशक प्रेम और केवीएन प्रोडक्शंस के प्रतिनिधि गौतम के.एम। और सुप्रीथ आयोग के सामने पेश हुए। संजय दत्त और नोरा फतेही के गाने पर बढ़ता विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि इस तरह के गाने महिलाओं की गरिमा के खिलाफ है। सुनवाई के दौरान विजया रहातकर ने गाने के बोलों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने साफ कहा कि इस तरह के शब्द महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं। आरोपियों ने यह दलील दी कि उन्हें गाने के अर्थ का अंदाजा नहीं था लेकिन आयोग ने इस बात को मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि क्रिएटिविटी के नाम पर महिलाओं का अपमान बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'चांद मेरा दिल' से अनन्या पांडे का फर्स्ट लुक आउट

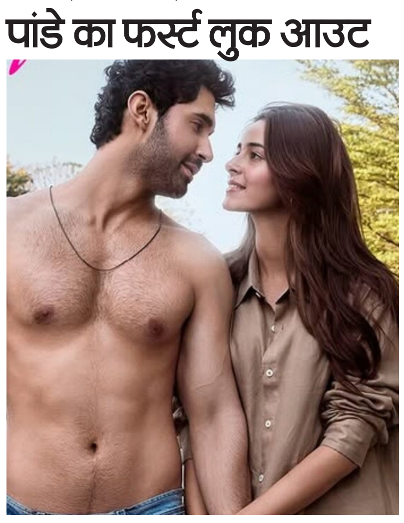

मुंबई » अनन्या पांडे और लक्ष्य ललवानी की रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'चांद मेरा दिल' जल्द ही लेकर आने वाले हैं। यह फिल्म एक गहरी और इंटेंस लव स्टोरी है, जिसमें प्यार की जटिलताओं को खूबसूरती से पेश किया जाएगा। सोमवार को फिल्म के मेकर्स ने पहली झलक शेयर की। धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। हर पोस्टर पर फिल्म का मुख्य मैसेज लिखा हुआ है। तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, "पेश है एक प्रेम कहानी, जहां जिंदगी प्यार से भी तेज चलती है।" इन पोस्टर्स को देखकर फैंस काफी उत्साहित हैं। फिल्म में अनन्या और लक्ष्य की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आएगी, जो दर्शकों के लिए नई और ताजा है। पोस्ट शेयर करने के बाद अनन्या और लक्ष्य के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी।

करिश्मा तन्ना के घर गूंजेगी किलकारी, पति वरुण संग दी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज

नई दिल्ली » टीवी और ओटीटी की एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना जल्द ही मां बनने वाली हैं। उन्होंने पति वरुण बंगेरा के साथ सोशल मीडिया पर अपनी पहली प्रेग्नेंसी का ऐलान करते हुए फैंस को बड़ी गुड न्यूज दी है। करिश्मा ने बेहद प्यारी और यादगार तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। इस खुशखबरी के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है, जहां फैंस इस नए सफर के लिए कपल को ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इन तस्वीरों में करिश्मा और वरुण का बॉन्ड देखते ही बन रहा है। एक फोटो में तो यह कपल मॉम और डैड लिखी हुई मैचिंग कैप पहने नजर आ रहा है, जिसमें दोनों एक-दूसरे को देख मुस्कुरा रहे हैं और साथ में उनके क्यूट डॉग्स भी हैं। करिश्मा की इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर आते ही धूम मचा दी है।

थलपति विजय को बड़ा झटका! प्रशंसकों में आक्रोश...

सेंसर बोर्ड में फंसी 'जना नायकन' रिलीज से पहले ही एचडी में लीक

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और राजनीति में कदम रख चुके थलपति विजय के प्रशंसकों के लिए एक दिल तोड़ने वाली खबर सामने आई है। विजय की आखिरी और सबसे प्रतीक्षित फिल्म 'जना नायकन', जो पिछले कई महीनों से सेंसर बोर्ड की मंजूरी के इंतजार में कानूनी पचड़ों में फंसी थी, शुक्रवार को पायरेटेड वेबसाइट्स पर हाई-डेफिनिशन (एचडी) प्रिंट में लीक हो गई है। फ़िल्म लीक होने से पहले, इसके कुछ क्लिप्स—जिनमें फ़िल्म के टाइटल क्रेडिट्स, इंट्रोडक्शन सीन और क्लाइमेक्स शामिल थे—सोशल मीडिया पर लीक हो गए थे। विजय के फ़ैन्स ने इस कथित लीक पर हैरानी जताई है और प्रोडक्शन हाउस से शिकायत दर्ज करने की अपील की है। शुरुआत में, फ़िल्म बनाने वालों ने तुरंत कार्रवाई की और एक्स और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स पर सर्कुलेट हो रहे क्लिप्स को हटा दिया। लेकिन, जल्द ही फ़िल्म का एचडी वर्शन पायरेटेड साइट्स पर आ गया। शुक्रवार सुबह तक, फ़िल्म के विकिपीडिया पेज पर कथित तौर पर लीक हुआ एक यूआरएल दिखाई दे रहा था। हालाँकि, यह कोई वायरस या नुकसान पहुँचाने वाला लिंक भी हो सकता है।

इस बीच, एक बदनाम पायरेसी वेबसाइट—जो गैर-कानूनी तरीके से तमिल फ़िल्में रिलीज़ करने के लिए जानी जाती है—ने एक नोट शेयर किया, जिसमें बताया गया कि वे अपने प्लेटफ़ॉर्म पर 'जना नायकन' को रिलीज़ करने से क्यों दूर रहेंगे।

तमिलएमवी नाम की इस साइट ने एक नोट शेयर किया, जिसमें लिखा था, हमें एक्टर से जुड़े मौजूदा राजनीतिक मुद्दों के बारे में पता है। हमारी नैतिकता के अनुसार, हम फ़िल्म के थिएटर में रिलीज़ होने के बाद ही कंटेंट अपलोड करते हैं। यह फ़िल्म अपनी ऑफ़िशियल रिलीज़ से पहले यहाँ अपलोड नहीं की जाएगी। हालांकि फ़िल्म बनाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स से लीक हुए क्लिप्स को हटा रहे हैं, लेकिन कई लोगों ने पूरी फ़िल्म लीक होने पर चिंता जताई है। फ़िल्म अब रिविज़िंग कमिटी के पास है, और यह साफ़ नहीं है कि कमिटी के सदस्यों को यह फ़िल्म दिखाई गई है या नहीं। खबर आई थी कि रिव्यू कमेटी के लिए रखी गई स्क्रीनिंग एक सदस्य के बीमार पड़ जाने के बाद रद्द कर दी गई थी।

ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म को मंजूरी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही मिलने की संभावना है। इस देरी की एक वजह यह है कि विजय अपनी राजनीतिक पार्टी, 'तमिलगा वेट्री कज़गम' (टीवीके) की तरफ से आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में चुनाव लड़ रहे हैं।

केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'जना नायकन' एक कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म है, जिसमें राजनीतिक रंग भी देखने को मिलते हैं। थलपति विजय के अलावा, इस फिल्म में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू, गौतम मेनन, प्रकाश राज और प्रियमणि भी नज़र आएंगे।

कोर्ट में 'जना नायकन' बनाम सेंसर बोर्ड

'जना नायकन' को विजय की विदाई फ़िल्म के तौर पर प्रमोट किया गया था, जिसके बाद वे सिनेमा को अलविदा कहकर पूरी तरह से राजनीति में उतरने वाले थे। यह फ़िल्म 9 जनवरी को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन तय तारीख से कुछ दिन पहले ही इसे टाल दिया गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फ़िल्म सर्टिफ़िकेशन (CBFC) ने फ़िल्म के कुछ दृश्यों पर चिंता जताई थी, जिनसे लोगों की भावनाएँ आहत हो सकती थीं। इसके बाद, फ़िल्म बनाने वाले मद्रास हाई कोर्ट गए और सर्टिफ़िकेशन की प्रक्रिया को तेज़ करने के लिए कोर्ट से दखल देने की अपील की। हालाँकि, 'जना नायकन' बनाने वालों और CBFC के बीच एक महीने तक चली कानूनी खींचतान के बाद, टीम केस वापस लेने और फ़िल्म को 'रिविज़िंग कमिटी' के पास भेजने पर राज़ी हो गई।

सान्या मल्होत्रा और ऋषभ रिखिराम शर्मा का एक साल पुराना सीक्रेट अफेयर खत्म!

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और मशहूर सितार वादक ऋषभ रिखिराम शर्मा के बीच ब्रेकअप की खबरें इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक साल से ज्यादा समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद अब दोनों अलग हो गए हैं। इस कथित ब्रेकअप की चर्चा तब और तेज हो गई जब प्रशंसकों ने गौर किया कि दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ने बहुत ही शांति से अपनी राहें जुदा कर ली हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि ऋषभ शायद अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं, हालांकि वे अपने नए रिश्ते को पूरी तरह निजी रख रहे हैं।

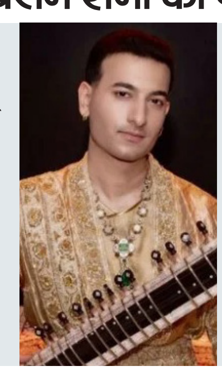

कैसे शुरू हुईं डेटिंग की अफवाहें?
इन दोनों के रिश्ते की खबरें सबसे पहले साल 2025 की शुरुआत में तब सामने आईं, जब सोशल मीडिया पर उनकी साथ में समय बिताते हुए कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं। रेडिट पर एक यूजर ने ऐसी तस्वीरें शेयर की थीं जिसमें दोनों एक ही जगह पर मौजूद थे। एक फोटो में ऋषभ एक फैन के साथ पोज दे रहे थे और सान्या उनके ठीक पास खड़ी थीं, जिससे फैंस को उनके साथ होने का हिंट मिला।

आपने देखा क्या?

रवि किशन की 'मामला लीगल है-2' में अजय देवगन का डेब्यू!

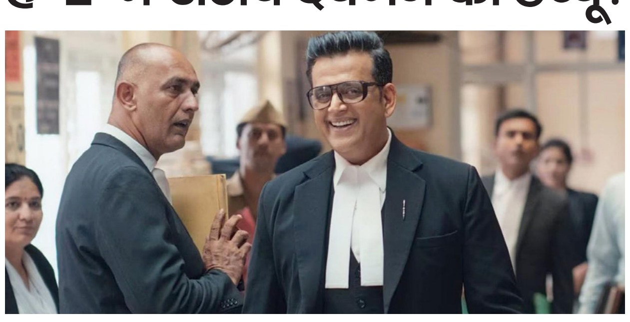

रवि किशन की पॉपुलर कोर्ट रूम ड्रामा अपने दूसरे सीजन के साथ दस्तक दे चुका है, जिसे लेकर लोगों के पॉजिटिव रिएक्शन देखने को मिल रहा है। सीरीज में पहले पार्ट की कहानी को आगे बढ़ाया है, लेकिन इस बार इसमें कई सारे ट्विस्ट भी शामिल हैं। पटपड़गंज कोर्ट में इस बार केस सॉल्व करने के साथ ही साथ कई नए चेहरे भी देखने को मिलेंगे, जो अपने साथ कहानी में नई परेशानियां भी लाते हैं। हालांकि, नए चेहरों के बीच अजय देवगन का भी डेब्यू है।

राहुल पांडे की डायरेक्शन में बनी पटपड़गंज कोर्ट ड्रामा 'मामला लीगल है' को लोगों ने खूब पसंद किया था अब ये सीरीज 2 साल बाद अपने दूसरे पार्ट के साथ दस्तक दे चुकी है। 3 अप्रैल से 'मामला लीगल है 2' स्ट्रीम होना शुरू हुई है। इस सीरीज के अतरंगी किरदारों की चर्चा काफी हुई है, हालांकि ये सीरीज मजाकिया अंदाज में भारतीय न्याय व्यवस्था के ढीलेपन को दिखाती है, जिसे देखने में तो काफी मजा आएगा लेकिन असल में ये गंभीर टॉपिक पर सोचने पर मजबूर करती है।

सीरीज में कई कमाल के कलाकार हैं, लेकिन इस शो से एक एक्टर ने डेब्यू भी किया है, जो कि अजय देवगन हैं. जी, हां आपने सही पढ़ा है, लेकिन समझा गलत है। दरअसल, फिल्म में अजय देवगन का एक डुप्लीकेट शामिल है, इस्तेफाक से उसका भी नाम अजय वर्मा ही है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनका नाम अजय देवगन ही है।

हाई-वोल्टेज ड्रामा

...क्योंकि सास भी कभी बहू थी, मुन्नी ने किया नोइना का पर्दाफाश

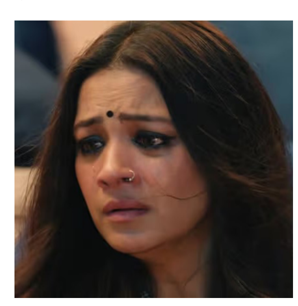

टीवी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में इस हफ्ते दर्शकों के लिए बड़ा ट्विस्ट देखने को मिलेगा। नोइना के ड्रामे का पर्दाफाश होने वाला है और मेकर्स इस ड्रामे के जरिए खूब टीआरपी बढ़ाने में जुटे हैं। इसी बीच मिहिर अपनी पत्नी तुलसी को खोजने में पूरी तरह व्यस्त हैं, जबकि तुलसी किसी बड़े राज का पता लगाने गई हैं।

कहानी में नया मोड़ तब आता है जब नोइना अपनी बहन सुचित्रा के हाथों ब्लैकमेलर को पैसे भेजती हैं। यह कोशिश उसका नकली कैंसर का राज छुपाने की है। लेकिन सबकुछ मुन्नी की नजरों से बच नहीं पाता। मुन्नी देख लेती हैं कि सुचित्रा किसी शख्स को पैसे दे रही है और यह बात तुरंत घरवालों को बता देती हैं।

मुन्नी की रिपोर्ट के बाद मिहिर के सामने सारी पोल-पट्टी खुल जाती है। मिहिर अपना गुस्सा नहीं रोक पाते और नोइना व उसकी बहन से कई सवाल पूछते हैं। इस दौरान नोइना एक नई कहानी बुनती हैं। वह दावा करती हैं कि सुचित्रा डेटिंग ऐप पर किसी शख्स को डेट कर रही थी और वही उसे ब्लैकमेल कर रहा था। पैसे भेजने की यह कहानी वह मिहिर के सामने पेश करती हैं।

मिहिर और घरवालों को नोइना की कहानी पर भरोसा नहीं होता। इस वजह से शांतिनिकेतन में पुलिस तक पहुंच जाती है। पुलिस सुचित्रा और नोइना से इस मामले के सबूत मांगती है, लेकिन वे नहीं दे पाती हैं। तब पुलिस सुचित्रा को पकड़ने की कोशिश करती है। डर के मारे सुचित्रा अंततः सच बताने का फैसला करती हैं। अब देखना यह है कि सुचित्रा अपनी बहन नोइना की सारी पोल खोलती हैं या फिर एक नया ड्रामा शुरू होगा। इस हफ्ते के एपिसोड में ड्रामा, रहस्य और भावनाओं का पूरा मिश्रण दर्शकों को बांधे रखेगा।

सोशल मीडिया पोस्ट

'धुरंधर 2' की कामयाबी पर सारा अर्जुन भावुक

» कैमरे के पीछे के हीरोज को दिया क्रेडिट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने अपनी फिल्म धुरंधर 2 की जबरदस्त कामयाबी का क्रेडिट पूरी टीम को दिया है। सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि फिल्म की भव्यता और सफलता सिर्फ पर्दे पर दिखने वाले कलाकारों की नहीं है। सारा के मुताबिक, इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के पीछे उन अनगिनत लोगों का खून-पसीना है, जो कैमरे के पीछे रहकर दिन-रात मेहनत करते हैं। उन्होंने फिल्म के क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताते हुए कहा कि असल मेहनत उन लोगों की होती है जो फ्रेम के बाहर रहकर फिल्म को मुकम्मल बनाते हैं।

सारा अर्जुन ने पोस्ट में बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तो उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ खास करने की चमक साफ नजर आ रही थी। उन्होंने कहा कि फिल्म के हर कदम पर यह एहसास मजबूत होता गया, लेकिन फिल्म पूरी होने के बाद जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें फ्रेम के बाहर खड़े उन लोगों की पूरी फौज नजर आई, जिन्होंने इस बड़े सपने को हकीकत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पोस्ट खासतौर पर 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित है, जिनका योगदान अक्सर पर्दे के पीछे ही रह जाता है।

» **सारा अर्जुन ने आदित्य धर का जताया आभार:** सारा ने सबसे पहले निर्देशक आदित्य धर और उनकी पूरी डायरेक्शन टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने उन्हें जहाज का कप्तान बताया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म को पर्दे पर उतारने के लिए दिन-रात एक कर दिया। प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की टीम का भी उन्होंने विशेष रूप से आभार जताया। सारा ने लिखा कि इन लोगों ने तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया।

» **सारा अर्जुन ने की कैमरा टीम की तारीफ:** एक्ट्रेस ने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम की तारीफ की, जिन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को कैद किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम को धन्यवाद देते हुए सारा ने कहा कि उन्होंने सिर्फ सही चेहरे नहीं, बल्कि किरदारों की खासियत को चुनकर पर्दे पर पेश किया। कॉस्ट्यूम डिजाइनर स्मृति चौहान, मेकअप डिजाइनर प्रीति शील और उनकी टीमों को भी उन्होंने याद किया। सारा ने लिखा कि इन्होंने कपड़ों में इतिहास बुना और अभिनेताओं के साथ शानदार कहानियां उकेरीं। उन्होंने लिखा, 'एक्टर्स को पोस्टर पर चेहरा बनने का मौका मिलता है, लेकिन आप ही सिनेमा की रीढ़ हैं।

सारा अर्जुन ने टीम के हर मेंबर को कहा शुक्रिया

संगीतकार और पूरी म्यूजिक टीम को धन्यवाद देते हुए सारा ने कहा कि इन्होंने फिल्म में जान फूंक दी। एडिटर शिवकुमार पणिक्कर, वीएफएक्स टीम और ओजस गौतम की मेहनत की भी उन्होंने सराहना की। प्रोडक्शन डिजाइन टीम, सेफ्टी और स्टंट क्रू, लाइटिंग, साउंड और स्पॉट टीम को भी सारा ने याद किया। उन्होंने कहा कि ये लोग सेट पर सबसे पहले पहुंचते थे और सबसे आखिर में निकलते थे। अंत में सारा अर्जुन ने उन सभी लोगों को भी धन्यवाद दिया, जिनके नाम पोस्ट में नहीं मेंशन किए गए, लेकिन जिनकी मेहनत बिना यह फिल्म संभव नहीं थी।

नेटफ्लिक्स पर नंबर 1 बनी ये फिल्म

ना सुपरस्टार, ना बड़ा बजट... दृश्यम से ज्यादा सस्पेंस, धुरंधर से दमदार कहानी

ओटीटी पर आए दिन अलग-अलग जॉनर की कई फिल्म रिलीज होती रहती हैं। इसमें रोमांटिक, थ्रिलर, क्राइम, स्काई फाई, हॉरर कॉमेडी शैली की कई फिल्म शामिल हैं। वहीं क्राइम थ्रिलर एक ऐसा जॉनर है जो कई लोगों को पसंद आता है। आज हम जिस फिल्म के बारे में आपको बताने वाले हैं वो थिएटर में तो उतना अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई लेकिन ओटीटी पर आते ही खूब वाहवाही बटोर रही है। 2 घंटे 8 मिनट की इस फिल्म को आईएमडीबी पर भी धांसू रेटिंग मिली है। हम बात कर रहे हैं नीना गुप्ता और संजय मिश्रा स्टारर फिल्म वध 2 की जोकि अपने थिएट्रिकल रन पूरा करने के बाद ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। आप इसे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

» **क्या है वध 2 की कहानी?**
इसका पहला पार्ट साल 2022 में आया था जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब 4 साल बाद इसके सीक्वल को भी लोग वैसा ही प्यार दे रहे हैं। वध 2 की कहानी मध्य प्रदेश की जेल के भीतर एक खूंखार कैदी के गायब होने की मिस्ट्री पर आधारित है। संजय मिश्रा (एक रिटायर होने वाले गार्ड) और नीना गुप्ता (एक कैदी) के बीच पनपते कोमल रिश्ते और जेल के अंदर हुए एक सस्पेंसपूर्ण मर्डर के इर्द-गिर्द घूमती यह फिल्म न्याय और नैतिकता पर सवाल उठाती है।

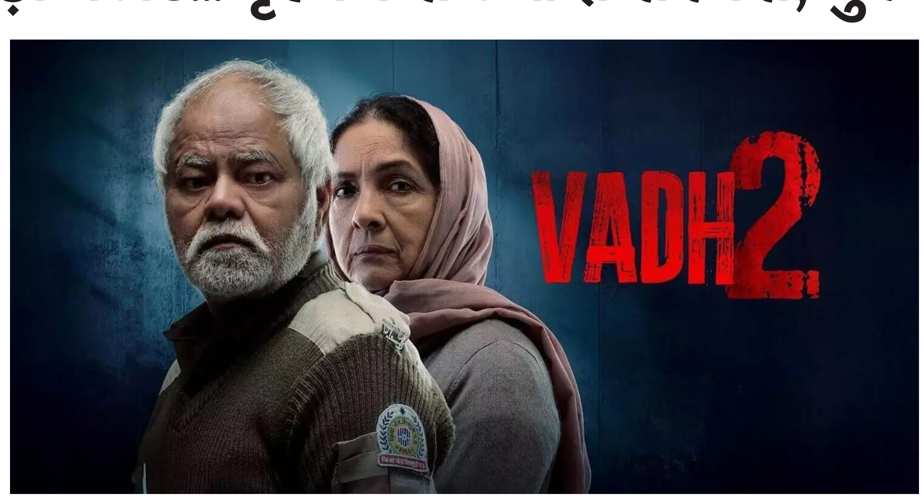

» **कितना था फिल्म का बजट?**
दो घंटे आठ मिनट की इस क्राइम थ्रिलर में वो ताकत है कि ये आपको पूरे टाइम अपनी सीट से बांधे रखेगी। इसे जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है और लव रंजन तथा अंकुर गर्ग ने 'लव फिल्म्स' के बैनर तले निर्मित किया है। वहीं बात करें वध 2 के बजट की तो इस पर 10 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। कहानी में भर-भरके ट्विस्ट भरा हुआ है और ये आखिरी तक आपको सस्पेंस में बांधे रखेगी। फिल्म के सपोर्टिंग एक्टर की बात करें तो कुमुद मिश्रा, शिल्पा शुक्ला, अमित के सिंह, योगिता बिहानी और अक्षय डोगरा ने भी अच्छा काम किया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबर: 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com